MAY - 2017 Seat No _____

MAOOC206 (Sem - II)

Sub. : HINDI (स्वरुप आधारित हिन्दी पद्य)

Time : 3 Hrs. **Total Marks : 70**

Intrucation : *(1)* ***All Questions are Compulsory.***

(2) ***Figures to the right indicate total marks of the Questions.***

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के खंड 'क' के जवाब ५००-६०० शब्दों तथा खंड 'ख' के जवाब १०० शब्दों में अपेक्षित हैं ।

प्र-१ (क) खण्ड काव्य का स्वरुप स्पष्ट करते हुए उसके लक्षणों पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर कालमें खंडकाव्यों की भूमि पर प्रकाश डालिए ।

(ख) कुँवरनारायण का व्यक्तित्व ४

अथवा

जगदीश चतुर्वेदी का कृतित्व

प्र-२ (क) आत्मजयी में कवि का अस्तित्ववादी दर्शन झलकता है स्पष्ट कीजिए । १०

अथवा

आत्मजयी का काव्यरुप स्पष्ट कीजिए ।

(ख) आत्मजयी का शिल्पपक्ष ४

अथवा

आत्मजयी में संवेदना

प्र-३ (क) खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर सूर्यपुत्र की सफलता के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ? १०

अथवा

सूर्यपुत्र काव्य के शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

(ख) सूर्यपुत्र में संवेदना ४

अथवा

सूर्यपुत्र में सामाजिक बोध

प्र-४ (क) आत्मजयी और सूर्यपुत्र रचना का मिथक काव्य के रुपमें मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

मिथक एवं समकालीनता का अर्थ एवं स्वरुप स्पष्ट कीजिए ।

Seat No _____

(ख) आत्मजयी की समकालीनता

अथवा

सूर्यपुत्र की समकालीनता

प्र-५ योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । १४

(१) खंडकाव्य ..... का एक भेद है । (श्रव्यकाव्य, मुक्तकाव्य, गीतिकाव्य, प्रबंधकाव्य)

(२) कुँवरनारायण का जन्म ..... में हुआ था । (१९२१, १९२२, १९२३, १९२४)

(३) 'आकारों के आसपास' के कुँवरनारायण का ..... है । (कवितासंग्रह, निबंधसंग्रह, कहानीसंग्रह, उपन्यास)

(४) आत्मजयी रचना मुख्यतः ..... के जीवन की गाथा से संबंधित है । (कर्ण, राम, कृष्ण, नचिकेता)

(५) आत्मजयी रचना के संकेतिक शीषकों में एक शीर्षक ..... है । (दुर्वामास, पूर्वामास, आभास, मास)

(६) रामधारीसिंह दिनकर की रचना ..... कर्ण के जीवनकी गाथा से संबंधित है ।

(कौन्तेय कथा, पूर्वामास, आभास, भास)

(७) आत्मजयी का मूल कथासूत्र ..... में नचिकेता प्रसंग पर आधारित है ।

(महाभारत, रामायण, कठोपनिषद्, भागवत्)

(८) सूर्यपुत्र काव्य ..... सर्गो में विभक्त है । (तेरह, चौदह, प्रन्द्रह, सोलह)

(९) सर्यपुत्र में जगदीश चतुर्वेदी ने ..... की कल्पना को एक प्रतीकात्मक अर्थ देने का प्रयास किया है ।

(विश्वामित्र, वशिष्ट, वेदव्यास, जमदग्नि)

(१०) कर्ण को सभी ..... कहते हैं । (दासीपुत्र, दासपुत्र, कूपुत्र, सुतपुत्र)

(११) अधिरथ द्वारा मनाये गये पुत्र जन्मोत्सव में कर्ण का नाम ..... रखा जाता है । (वसुषेण, बसुषेण, जीतुषेण)

(१२) सूर्यपुत्र के लिए जगदीश चतुर्वेदी को ..... पुरस्कार १९७६में प्राप्त हुआ है ।

(भारतीय सूर, हिन्दी अकादमी, प्रियदर्शिनी, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान)

(१३) कर्ण के दुःखद निधन की घटना ..... सर्ग में आती है ।

((देहदान, शक्तिसंघान, निर्वहण, युगान्त)

(१४) सूर्यपुत्र एक ..... काव्य है । (प्रतीक, बिम्ब, मिथक, फैंटसी)